Umkreis eines Rades (प्राचि) H. 755. Ragel. 13, 15. — 3) die Spitze eines Heeres, = सैन्याय H. an. = सैन्यायमस्कन्ध Med. Vgl. धाराङ्कर 3. — 4) Ohrläppchen (कार्पप्रात्त) H. c. 119. — 5) = संतति fortlaufende Reihe, Geschlechtsreihe H. an. Med. = राजि Reihe Trik. 3,3,356. Vgl. वन . — 6) Zaun, Hecke. — 7) Bergrand (the edge of a mountain) Wils. — Vgl. पालि in Betreff der verschiedenen Bedeutungen.

3. धौरा f. gaṇa व्यादि zu P. 6,1,203. Vop. 26,191. 1) = उत्कर्ष das Hervorragen n. s. w. H. an. 2,431. — 2) = प्राप्त Ruhm Cabdar. im CKDr. — 3) Nacht. — 4) Gelbwurz (wie auch andere Synonyme von Nacht) Trie. 3,3,356. — 5) = सद्या Vicva im CKDr. Gleichheit Wils. — 6) Sitte, Brauch Wils. — Die beiden ersten Bedeutungen könnten vielleicht durch धारा Schneide, Schärfe vermittelt werden; die übrigen haben wohl Khwerlich etwas mit 1. oder 2. धारा zu thun.

धाराकदम्ब (1. धा॰ + क॰) m. 1) eine Art Kadamba Rićax. im ÇKDa. ॰कदम्बक m. dass. Trik. 2,4,21. Vgl. धरा॰, प्रावृष्य, प्रावृष्य, मेघाम. — 2) N. pr. eines Dichters Verz. d. Oxf. H. 124, a.

धारागृह् (1. धा॰ + गृ॰) a. eine Art Badezimmer mit sliessendem Wasser Suça. 2,485,9. Выльтя. 1,38. यन्त्रप्रवाहे: शिशिरे: परोतान् — शि-लाविशेषानिधशय निन्युर्धारागृहेखातपमृद्धिमत्तः RAGB. 16,49. — Vgl. यन्त्र, जलयन्त्रगृह्, जलयन्त्रमृह्, जलयन्त्रमृह, जलयन्त्रम्, जलयन्त्रमृह, जलयन्त्यम्त, जलयन्त्रमृह, जलयन्त्रमृह, जलयन्त्रमृह, जलयन्त्रमृह, जलयन्त्रमृह, जलयन्त्रमृह, जलयन्त्रमृह, जलयन्त्रमृह, जलयन्त्रमृह, जलयन्यम्यमृह, जलयन्त्रम्यमृह, जलयन्त्रमृह, जलयन्त्रमृह, जलयन्त्रम्यमृह

धाराङ्कर (धारा + मङ्कर) m. 1) Tropfen (श्रीकर). — 2) Hagel. — 3) das Hervortreten aus der Schlachtreihe in der Absicht den Feind zu reizen H. an. 2,459. Mad. r. 271. Hän. 231. — Mad. und Hän. धराङ्कर. In den beiden ersten Bedeutungen enthält das Wort 1. धारा, in der letzten aber viell. 2. धारा 3.

1. আনুত্র (1. আনু + মৃত্রু) m. ein heiliger Badeplatz H. an. 3, 122. Med. g. 36.

2. 되行案 (2. 되行 + 報案) m. Schwert H. c. 143. H. an. 3, 122. Med. g. 36. 되行 (1. 되行 + 冠) 1) m. der Vogel Kåtaka. — 2) ein Pferd (vgl. 1. 되行 3.) Taik. 3, 3, 98. H. an. 3, 163. Med. ţ. 45. Hâs. 255. Çabdar. im ÇKDa. — 3) Wolke. — 4) ein Elephant in Wuth (weil in diesem Zustande eine Flüssigkeit von den Schläfen herabsliesst) Çabdar.

1. धाराघर (1. धारा + धर्) m. Wolke AK. 1,1,2,8. Так. 3,3,357. Н. 164. ап. 4,259. Мер. г. 270. МВн. 4,2039. Напу. 11851. Varân. Врн. S. 19, 16. Катиль. 24, 20. Кат. 4. 7. Сата. 10, 185.

2. धाराधर (2. धारा + धर्) m. Schwert Trik. 3, 3, 357. H. c. 145 (fälschlich धरा °). H. an. 4, 259. Med. r. 270.

धाराधिद्रा (2. धारा + म्रिधि॰) adj. viell. auf der höchsten Spitze stehend, den Höhepunkt erreicht habend: किं वा धाराधिद्रा कि ताडां वेद्रा के प्रतिकार किंदा के स्वाधित्र के किंदा के स्वाधित्र के किंदा के स्वाधित्र के स्वाधित्य के स्वाधित्र के स्वाधित्य के स्वाधित्र के स्वाधित्य के स्वाध

धारानिपात (1. धा॰ + नि॰) m. Regenguss: घन॰ Райкат. 93, 2.

धार्तिर्घर (1. धारा - श्रतर + घर्) adj. in den Wolken sich bewegend, wolkenhoch sliegend (von einem Vogel) R. Gonn. 2,105,38.44. 5,68,9. धाराय R. Schl. 2,96,39.45. — Vgl. धाराट.

धारापात (1. धा॰ + पात) m. Regenguss, pl. Makku. 84, 19. Magu. 49. धारापात (2. धा॰ + पात) m. N. eines Baumes mit stechenden Früchten, = मदन, vulg. मुपनपाल Råéan. im ÇKDa.

धारायस्त्र (1. धा॰ + प॰) n. Springbrunnen Anan. 59. Ratnav. 6,9.

PRAB. 79, 11.

धारालें adj. von धारा gaņa सिध्मादि zu P. 5,2,97.

धाराविन (1. धा° + विन) m. Wind Taik. 1,1,76. — Vgl. धारावरे

धारावत् 1) adj. (von 2. धारा) mit einer Schneide versehen Kim. Nitis. 11, 48. — 2) f. ेवती (wohl von 1. धारा) N. pr. einer Stadt Padma-P. in Verz. d. Oxf. H. 16, b, 23.

धारावर् (1. धारा + वर् , im Padap. ungetheilt) adj. Regengüsse liebend, von den Marut RV. 2,34,1. — Vgl. धारावनि.

धारावर्ष (1. धा॰ + वर्ष) m. n. Regenguss R. 6,80,13. Ragh. 4,82.

धाराविष (2. धारा + विष) m. Schwert (in der Schneide das Gift habend) Taik. 2, 8, 54.

धाराष्ट्र (1. धा॰ + म्रष्ट्र) n. Thränenstrom: निपतहाराष्ट्रणा चतुषा

धारासंपात (1. धा॰ + संं[°]) m. Regenguss AK. 1,1,2,13. H. ç. 27.

धारासार् (1. धा॰ + म्रासार्) m. ein heltiger Regenguss Vika. 70. 76. मेघः प्रवक्ते तत्र धारासारेण वर्षित्म् Катыз. 12, 110.

धारास्नुकी (2. धा॰ + स्नु॰) f. N. einer Pflanze, = त्रिधारस्नुकी Riéan. im ÇKDR.

धारि (von धर्) adj. tragend: किराती चामरधारि: Cit. beim Schol. zu Çîk. 20, 16.

धारिका f. ein best. Zeitabschnitt, = 6 Kshaṇa = 1/2 Muhùrta H. 137. धारित n. und धारितक n. Trab Wils. — Fehlerhaft für धारित, धा-रितक.

1. धारिन् (von धर्) 1) adj. tragend: पृथिवी विश्वस्य धारिणी Munp. บค. 2,1,3. पृथिवी निवापस्येक् धारिणी МВи.13,4350. सुधारिणां धर्मधुरे मक्तिमना यद्यादिते वर्त्मनि सुस्थितानाम् MBn.13.4879. In der Regel mit dem obj. zusammeng.: मंप मएड्रक्यारियाम् R. 4,34,24. तिति Jién. 2, 152. Gir. 12,27. स्त्रीवेश AK. 1,1,7,11. Makkin. 136,10. Pankar. 170.7. Sund. 1, 30. Вилитв. 2, 79. जहावल्काल Sund. 1, 8. महापरिता 2.3. And. 10,52. Sáu. D. 13,6. कानकालंकार ° Hit. 42,1. नयालंकार ° Pankat. III, 254. श्मश्र MBn. 4,145. कुसुमात्कर्धारिणा । केशकुस्तेन Indr. 5,6. व् ताः) स्मन्धपृष्पधारिषाः R. 1,9,6. पृष्पैः पञ्चवधारिभिः 2,96,30. tragend so v. a. innehabend, habend, besitzend: स्वत्रप॰ N. 14, 13. ऋग्रत्रप॰ V.-RÂH. BRH. S. 29,27. संबद्धवस्त्वाकार् O Schol. zu KAP. 1,90. (श्रङ्गल्या) व-क्रनावधारिएया Rage. 12,41. दशशतकर ° ad Hir. I,17. रहस्य ° im Besitze des Geheimnisses seiend Katuas. 13,20. ब्रह्मप्रत्यप° Çайк. zu Вян. ÅR. Up. p. 79. erhaltend, unterhaltend: श्रीमिनित्य o Kats. Ça. 4, 10, 16. भव में प्राणधारिणी अवसर. 10004. शमः कामश्च कुर्षश्च तेजसा लाकधारि-ण: MBH. 1,2596. मुठकेशव ° Riáл-Tar. 5,244. धारिणी Beiw. der Umå MBH. 13, 1027. bewahrend, verwahrend: न्यास o M. 8, 196. Etwas im Gedächtniss bewahrend: स्रज्ञेभ्या प्रन्थिन: श्रेष्ठा प्रन्थिभ्या धारिणा वराः। धारिभ्यो ज्ञानिनः श्रेष्ठाः M. 12, 103. aufrechthaltend, beobachtend: व्या-नियम° MBu. 13, 1585. मैानन्नत॰ R. 3, 1, 35. मैान॰ Katulis. 17, 93. न्नत॰ GAUDAP. Zu SAMKHJAK. 15. मत ° so v. a. Rathgeber МВн. 5,926. 2967. 7, 365. Nicht recht klar ist die Bed. des Wortes in der Stelle: ঘানা ঘা;-पाकाले च दिशश्चत्रिष धारिणा HARIY. 11986. Vgl. तरा॰, दएउ॰, धन्धा-रिन. - 2) m. N. eines Baumes (s. पील्) GATADH. im ÇKDa. Unter पोल्